1992-93 तथा 1993-94 दौरान उत्पादित कच्चे तेल की मात्रा नीचे दर्शाई गई है :--

	1992-93	1993-94
	(मि० मि० टन में)	
ओ० एन० जी० सी० लि०	24.427	24.215
आयल इण्डिया लि०	2.523	2.811

(च) और (छ) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से ओ० एन० जी० सी० लि० तथा ओ० आई० एल० की लाभप्रदत्ता पर प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें सरकार द्वारा शासित होती हैं।

लाभ में वृद्धि का मुख्य कारण, देशी कच्चे तेल के लिये भुगताई जाने वाली वर्द्धित कीमत है।

Report of CAG on Petroleum Ministry

4748. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR : Will the Minister of PETROLEUM and NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether Governmen; are aware of the remarks in para 7.3 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India (Union Governmen: No. 7—Commercial) Commercial of 1989, with respect of his Ministry ; and

(b) if so, what is the balance of Post Account *as* on March, 1994 ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA) : (a) Yes, Sir.

(b) Balance due to OCC in Public Account as on 31st March, 1994 is Rs. 4429.03 crores.

आठवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि के दौरान कच्चे तेल के उत्पादन का लक्ष्य

4749. श्री राम जेठमलानी :

श्रीमती सुषमा स्वराज : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक कच्चे तेल के लिये 47.08 मिलियन मीटरी टन के वार्षिक उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि कच्चे तेल के उत्पादन के लिये उक्त योजनावधि के अन्तर्गत वर्ष 1993-94 में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सका है;

(ग) यदि हां, तो शेष वर्षों के दौरान लक्ष्य प्राप्ति के सम्बन्ध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच नहीं है कि कच्चे तेल के उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आगामी शेष वर्षों में तेल उत्पादन में 15 प्रतिशत की और वृद्धि करनी होगी; और

(ङ) यदि हां, तो वार्षिक उत्पादन में वृद्धि करने के लिये कौन-कौन से नये क्षेत्रों की खोज की गई है, उनकी वार्षिक उत्पादन क्षमता कितनी है?